

कर रखा है। पी. ओ. साहब अन्य कार्य में
व्यस्त है। पत्रावली वास्तु दिनांक 16/4/25
पेश हो।

16/4/25 पत्रावली प्रस्तुत। वकील पककावात डेपू।
वकील वादी के फौज प्रो. प्रो. की पत्रावली
पेश किया। शर्त है। पत्रावली वास्तु
तारीख दिनांक 23/4/25 को पेश है।

23/4/25 पत्रावली प्रस्तुत। वकील पककावात डेपू।
पत्रावली वास्तु तारीख दिनांक 30/4/25 को
पेश है।

30/4/25 पत्रावली प्रस्तुत। वकील पककावात डेपू।
पत्रावली वास्तु तारीख दि. 5/5/25 को पेश है।

5/5/25 पत्रावली प्रस्तुत। वकील पककावात डेपू।
पत्रावली वास्तु तारीख दि. 12/5/25 को
पेश है।

12/5/25 अतिभासक नाम का कार्य अर्थात्
कर रखा है। पी. ओ. साहब अन्य कार्य में
व्यस्त है। पत्रावली वास्तु दिनांक 12/5/25
पेश हो।

12/5/25 पत्रावली प्रस्तुत। वकील पककावात डेपू।
वादी/पक्षी का कूल वाद खातिर है युक्त
प्रमाणों को आगे चलाते जा रहे हैं
अधिकार नहीं है उर। 'पक्षी' का प्रो. प्रो.
आपने कि उर आजागी है कि उर उर उर उर
जिना पत्रावली प्रस्तुत करे (पत्रावली) है
कोई प्रो. प्रो. वकील आजागी न हो उर उर उर उर

Not F
21

उपरोक्त अधिकारी
सिवासर (पुन)